ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

आज की प्रेरणा

आप वो गलतियाँ नहीं हैं जो आपने की हैं।
(आप गुण स्वरूप हैं; गुण ही आपके अंतर्निहित, निजी और अनादि संस्कार हैं)

आज से हम अपनी गलतियों के लिए सिर्फ पछताने के बजाय उनसे सीखें...

Today's Inspiration

You are not the mistakes you have made.
(You are the embodiment of virtues; virtues are your innate, inherent and eternal sanskaars)

TODAY ONWARDS LET'S learn from our mistakes, instead of just regretting.

Brahmakumaris

ओम शांति

कम बोलो
धीरे बोलो
मीठा बोलो
सोच कर बोलो

चिन्ता छोड़
प्रभु चिन्तन करो

आओ चेक करें हम वर्षों के पुरुषार्थ के बाद कितने मास्टर सर्वशक्तिमान बने हैं?

1 पूरा दिन मेरा व्यर्थ विचारों पर कितना नियंत्रण रहा।
2 कमजोर संस्कारों पर कितना नियंत्रण रहा।
3 गलत व्यवहार पर कितना नियंत्रण रहा।
4 अपने आलस पर कितना नियंत्रण रहा।
5 अपनी दृष्टि पर कितना नियंत्रण रहा।
6 अपने व्यर्थ भाषा पर कितना नियंत्रण रहा।
7 अपने स्वार्थ पर कितना नियंत्रण रहा।
8 अपने संबंधों में कितनी पवित्रता रही।
9 अपने व्यर्थ भाषा पर कितना नियंत्रण रहा।
10 ईश्वरीय मर्यादाओं का कितना पालन किया।
11 दैनिक संबंधों की कितनी याद रही।
12 प्रभु चिंतन में कितना समय दिया।
13 परचिंतन पर कितना नियंत्रण रहा।
14 पास्ट की बातों पर कितना नियंत्रण रहा।
15 अपने क्रोध पर कितना नियंत्रण रहा।
16 अपने देहअभिमान पर कितना नियंत्रण रहा।

इन पर नियंत्रण करना ही मास्टर सर्वशक्तिमान बनना है।

BK YOUTH WING PUNJAB ZONE

शिव भगवानुवाच

निर्भयता और संकल्प में दृढ़ता , यह है सम्पूर्ण स्टेज के समीप की निशानी । चेक करो , ये दोनों स्वयं में दिखाई दे रहे हैं।

चलते फिरते स्मृति रहे कि हम मास्टर त्रिमूर्ति है। स्थापना के कर्तव्य और विनाश के कर्तव्य का समय अलग नहीं है।

एक तरफ नये दैवी संस्कार लाते जाओ , और दूसरी तरफ पुराने आसुरी संस्कार वा कमज़ोरियों का विनाश भी साथ साथ करते जाओ।

(अव्यक्त बापदादा : 27.2.1972)

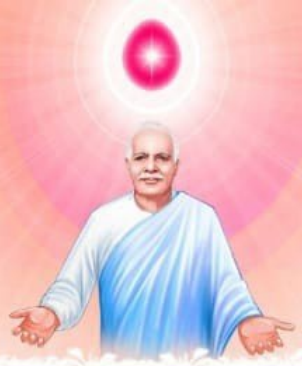

सम्पूर्णता की ओर

वर्तमान समय स्वयं को शमा पर इतना मिटा देना है, जो य़ह शब्द भी मिट जाये कि य़ह मेरे संस्कार है, य़ह मेरी नेचर है। जब हरेक की नेचर बदलेगी तब आपके अव्यक्ति पिक्चर्स बनेंगे। जैसे मिलन में हाथ मिलाते है, य़ह मिलन है संस्कार मिलन। अगर सबके संस्कार एक समान हो जाये तो एक राज्य, एक धर्म वाली दुनिया आ जायेगी।

परिस्थितियां जब भी मुझे मुश्किलों में डाल देती हैं, तो परमात्मा हजारों रास्ते निकाल देते हैं।

आपकी दुनिया
सुंदर होगी
जब आप
दूसरों की
विशेषताओं
को देखना
शुरू करेंगे।
-BK SHIVANI
HB

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org